इकाई - III

नई [3] वाक्य के लक्षण, उदाहरण ~~और~~ ~~भेद~~

वाक्य -:
दो या दो से अधिक पदों के सार्थक समूह को जिसका पूरा पूरा अर्थ निकलता है, वाक्य कहलाता है।
उदाहरण के लिए 'सत्य ~~की~~ विजयहोती है' यह एक वाक्य है क्योंकि इसका पूरा स्पष्ट अर्थ निकलता है किन्तु 'सत्य विजय होती है' वाक्य नहीं है क्योंकि इसका अर्थ नहीं निकलता है।

अर्थ के आधार पर वाक्य के भेद -:

(1) विधान वाचक वाक्य -
वह वाक्य जिससे किसी प्रकार की जानकारी प्राप्त होती है वह विधानवाचक वाक्य कहलाता है।
उदाहरण -
भारत एक देश है।
राम के पिता का नाम दशरथ है।

[2] निषेधवाचक वाक्य -
जिन वाक्यों से कार्य न होने का भाव प्रकट होता है उन्हे निषेधवाचक वाक्य कहते हैं।
उदाहरण -:
मैंने दूध नही पिया।

[3] प्रश्नवाचक वाक्य -
वह वाक्य जिसके द्वारा किसी ~~प्रश्न~~ ~~प्रश्न~~ प्रकार प्रश्न किया जाता है वह प्रश्नवाचक वाक्य कहलाता है।

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

विशेषण - उपवाक्य है।
इसमे जो, जैसा, जितना इत्यादि शब्दो का प्रयोग होता है।

[3]. क्रिया विशेषण उपवाक्य -: जो आश्रित उपवाक्य मुख्य वाक्य की क्रिया की ~~xxx~~ विशेषता बदलाता है उसे क्रिया विशेषण उपवाक्य कहते है।

जैसे
जब पानी बरसता है, तो मेढक बोलते।
यहां जब पानी बरसता है, क्रिया विशेषण उपवाक्य है इसमे प्राय: 'जब', जहां, जिधर, ज्यों, यद्यपि इत्यादि शब्दो का प्रयोग होता है इसके द्वारा समय, स्थान कारण, उद्देश्य, फल, अवस्था, समानता, मात्रा इत्यादि का बोध होता है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

उदाहरण -
राम के पिता कौन है।
दशरथ कहां के राजा है।

(4) आज्ञावाचक वाक्य -
वह वाक्य जिसके द्वारा किसी प्रकार की आज्ञा दी जाती है या प्रार्थना की जाती है वह विधिसूचक वाक्य कहलाता है।
उदाहरण -
बैठो।
बैठिये।
शांत रहो।

[5] विस्मयादि बोधक वाक्य -
वह वाक्य जिससे किसी प्रकार की गहरी अनुभूति का प्रदर्शन किया जाता है वह विस्मयादिवाचक वाक्य कहलाता
उदाहरण -
अहा! कितना सुन्दर उपवन है।
बल्ले! हम जीत गये।

[6] इच्छावाचक वाक्य -
जिन वाक्यों में किसी इच्छा अकांक्षा, या आशीर्वाद का बोध होता है उन्हे इच्छावाचक वाक्य कहते है
उदाहरण -
भगवान तुम्हें दीर्घायु करे
नववर्ष मंगलमय हो

(7) संकेतवाचक वाक्य -
जिन वाक्यो मे किसी संकेत का बोध होता है उन्हें संकेत वाचक वाक्य कहते है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

उदाहरण - राम का मकान उधर है।

(8) संदेहवाचक वाक्य - जिन वाक्यों में संदेह का बोध होता है उसे संदेहवाचक वाक्य कहते है।

उदाहरण

क्या वह यहां आ गया।

क्या उसने काम कर लिया।

<u>Note</u> कर्ता और क्रिया के आधार पर वाक्य के भेद -

रचना के आधार पर वाक्य के भेद

(1) सरल वाक्य या साधारण वाक्य

(2) संयुक्त वाक्य

(3) मिश्रित वाक्य

वाक्य के दो भेद - उद्देश्य और विधेय

जिसके बारे मे बात की जाय उसे उद्देश्य कहते है और जो बात की जाय उसे विधेय कहते है। उदाहरण के लिए मोहन प्रयाग में रहता है, इसमे उद्देश्य है - मोहन, और विधेय है प्रयाग मे रहता है।

संरचना के आधार पर वाक्य के भेद -

(i) साधारण वाक्य - जिस वाक्य में एक ही उद्देश्य हो और एक ही विधेय हो उसे साधारण वाक्य कहते है।

जैसे -

संध्या बहुत सुन्दर है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

जटिल वाक्य --
जिस वाक्य में एक से अधिक उपवाक्य होते हैं उन्हे जटिल वाक्य कहते हैं।

जटिल वाक्य के दो भेद हैं -

(1) संयुक्त वाक्य -
जिस वाक्य में दो या दो से अधिक साधारण वाक्य अथवा (किन्तु, परंतु और अथवा) आदि द्वारा मिले वहां संयुक्त वाक्य होता है।
उदाहरण -
(1) वह आपकी प्रतीक्षा करता रहा परन्तु आप नहीं आये।
(2) हम आ गये किन्तु वह नही आये।

(2) मिश्र वाक्य -
जिस वाक्य में एक मुख्य उपवाक्य और उस मुख्य वाक्य पर आश्रित एक अथवा एक से अधिक उपवाक्य होते हैं उन्हे मिश्र मिश्र वाक्य कहते हैं।
(1) जिस पर पूरा यकीन था उसने समय पड़ने पर धोखा दे दिया।
(2) वह नही जानता कि आप कौन हैं।

Note -' उपवाक्य वाक्यों में एक वाक्य प्रधान है जिसमें अन्य वाक्यों का कोई मतलब नहीं होता है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

उपवाक्य के भेद :-

परिभाषा :- ऐसा पदसमूह, जिसका अपना अर्थ हो जो वाक्य का भाग हो और जिसमें उद्देश्य और विधेय हो उपवाक्य कहलाता है

उपवाक्यों के आरम्भ में अधिकतर कि, जिससे ताकि, जो, जितना, ज्यों-त्यों, चूंकि, क्योंकि, यदि, यद्यपि, जब, जहां इत्यादि होते हैं।

उपवाक्य के प्रकार —

(i) संज्ञा उपवाक्य

जिस आश्रित उपवाक्य का प्रयोग प्रधान वाक्य की किसी संज्ञा, कर्ता, कर्म अथवा पूरक के बदले होता है वहां संज्ञा उपवाक्य होता है।

जैसे राम ने कहा कि मैं पढूंगा यहां पर मैं पढूंगा संज्ञा उपवाक्य है।

(ii) विशेषण उपवाक्य :-

जो आश्रित उपवाक्य मुख्य उपवाक्य की संज्ञा सर्वनाम की विशेषता बतलाता है उसे विशेषण उपवाक्य कहते हैं।

जैसे :- वह आदमी, जो कल आया था, आज भी आया है यहां 'जो कल आया था,'

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner